

अपना-सा मुँह लेकर रह जाना	= लज्जित होना।
अपनी डफली अपना राग	= एकमत न होना।
अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना	= स्वयं का अहित कर लेना।
आँखें खुलना	= सच्चाई का पता लगना, भ्रम दूर होना।
आँखे चुराना	= (किसी आपराधिक बोध के कारण) आँखे न मिला पाना।
आँखें नीची करना	= लज्जित होना।
आँखें लाल पीली करना	= गुस्सा दिखाना।
आकाश-पाताल एक करना	= अधिकतम प्रयास करना।
आग बबूला होना	= अत्यधिक गुस्सा करना।
आग में घी डालना।	= गुस्सा बढ़ाना।
आजकल करना	= टालमटोल करना
आपे से बाहर होना	= क्रोध आदि के कारण नियंत्रण खो देना।
आफत मोल लेना	= जान बूझकर झंझट अपने ऊपर लेना।
आसमान टूट पड़ना	= बड़ी विपत्ति आ पड़ना।
आस्तीन का साँप	= दोस्त के रूप में दुश्मन।
इधर-उधर की हाँकना	= निरर्थक बातें करना।
ईंट से ईंट बजाना	= अत्यधिक हानि पहुँचाना।
ईद का चाँद	= कभी कभी दर्शन देने वाला।
उँगली पर नचाना	= अपनी इच्छानुसार कार्य कराते रहना।
उखड़ा-उखड़ा सा रहना	= बहुत उदास या अनमना रहना।
उलटी गंगा बहाना	= उल्टी रीति का पालन करना या करवाना।
उलटे पाँव लौटना	= तुरंत लौटना।
उल्लू बनाना	= मूर्ख बनाना।
ऐरा गैरा नत्थू खैरा	= अत्यंत साधारण लोग, सामान्यजन।
ओखली में सिर देना	= कष्ट सहने के लिए तैयार रहना।